

नाव चलेमाता

एक चित्रकथा

गोंडी भाषा में



एकलव्य

चित्र एवं कहानी - वी सुतेयेव

नाव चलेमाता

नाव चली (गोंडी)

NAAV CHALI (GONDI)

स्टोरीज़ एण्ड पिक्चर्स की एक चित्रकथा प्रगति प्रकाशन, मॉस्को के सौजन्य से प्रकाशित।

चित्र और कहानी: वी सुतेयेव

हिन्दी से गोंडी अनुवाद: उर्मिला तेकाम

संयोजन: आकाश मालवीय, अशोक हनोते, हेमराज मालवीय, खेमप्रकाश यादव, निदेश सोनी, राजेन्द्र देशमुख, सुनील हनोते

सम्पादकीय व उत्पादन सहयोग: अपूर्वा राजे, इन्दु श्रीकुमार व कमलेश यादव

एचटी पारेख फाउंडेशन के वित्तीय सहयोग से विकसित

यह किफायती संस्करण अँग्रेज़ी, हिन्दी व कोरकू में भी उपलब्ध है।

पहला संस्करण: मार्च 2023/8000 प्रतियाँ

कागज़: 100 gsm मेपलिथो पर प्रकाशित

ISBN: 978-93-94552-37-1

मूल्य: 12.00

प्रकाशक: एकलव्य फाउंडेशन

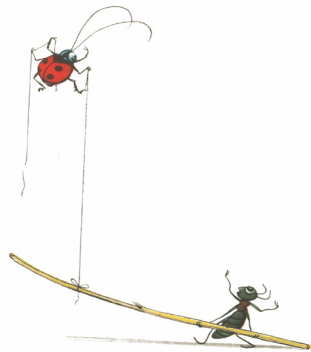
जमनालाल बजाज परिसर,

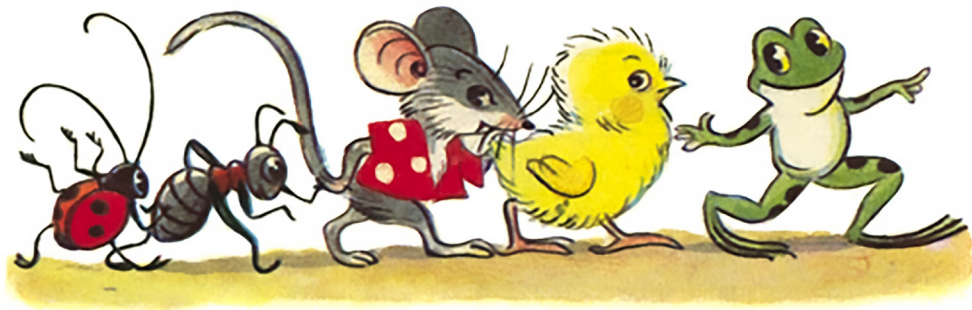
जाटखेड़ी, भोपाल - 462 026 (मप्र)

फोन: +91 755 - 297 7770, 71, 72

www.eklavya.in/books@eklavya.in

मुद्रक: आर के सिक्वुप्रिंट प्रा लि, भोपाल फोन: +91 755 - 2687 589

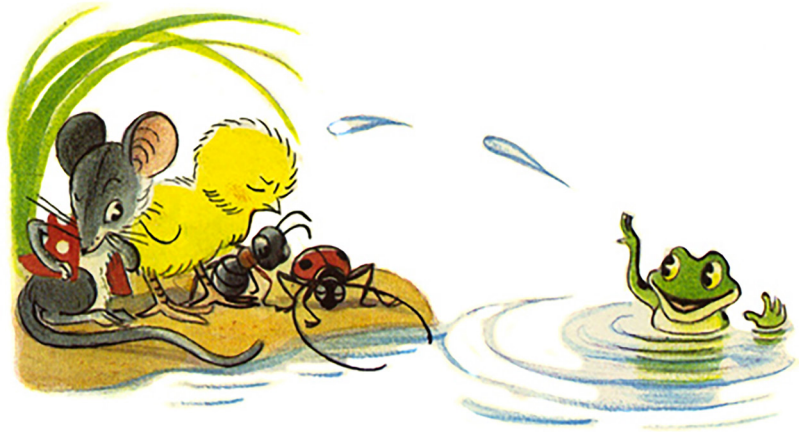




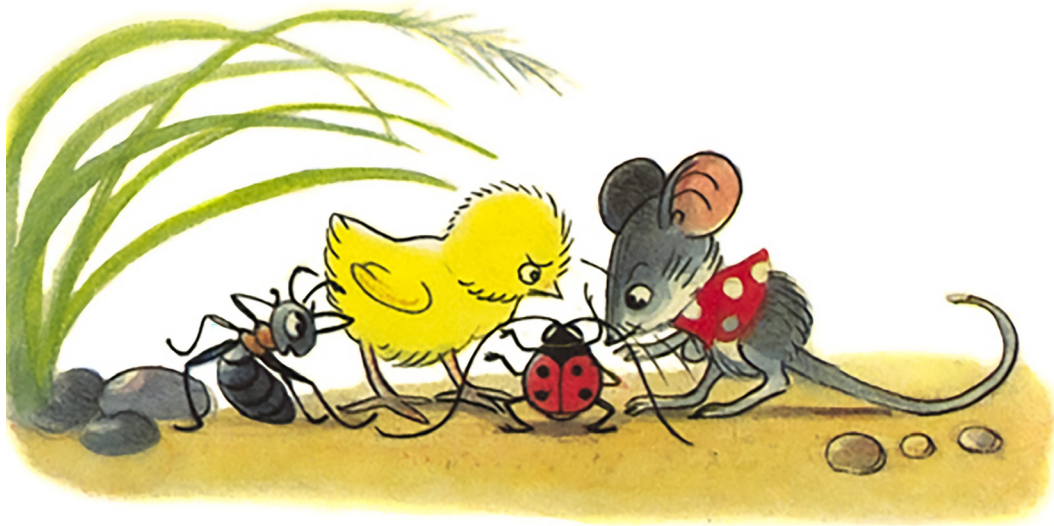
उंदी फन्ने, उंदी चिवाल, उंदी अल्ली, उंदी पत्ते उंडे उंदी
गुबरैलाल सब वलितालक पसितुर।
ताकसी-ताकसी कुन ओर उंदी झिरना ता किनाडे अवसेतुर।



“चल तिरे,” मायकट इन्जीकुन फने येते डयसितुला



“मने माकुम तो तिरे माई अल वायो,” चिवाल, अल्ली, पत्ते उंडे
गुबरैलाल इत्तुर। “टर् टर् टर्। फिर मिवा तो इगा बैनई काम अईलो”
फने कव्वी लातुल। उंडे लगातार कव्वी लातुल। इच्चो कवतुल इच्चो
कवतुल की ओना सांस अटके माई लात।



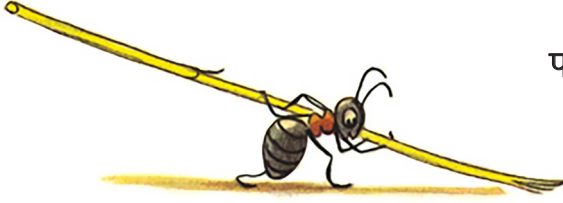
चिवान, अल्लिन, पत्तेन उंडे गुबरैलन लयसो कनबउन लागतु।
ओर बैनाई तरकीप सोचेमायाना कोशिश कीतुर।
ओर सोचेमातुर, सोचेमातुर, सोचेमातुर। उंडे फिर ओर इद
तरकीप टंडतुर।



ચિવાલ હતુલ ઁંડે જલ્દી ઁંડી
આકી અરી વાતુલા

અલ્લી ઁંડી અઁરોટ તા છિલકા
અરી વાતુલા





પત્તે ઁંદી ઢંડા અરી વાતુ!

ઁંડે ગુબરૈલાલ કરિયલ ધાગા તા
ઁંદી લંબો ટુકડા અરી વાતુલ!





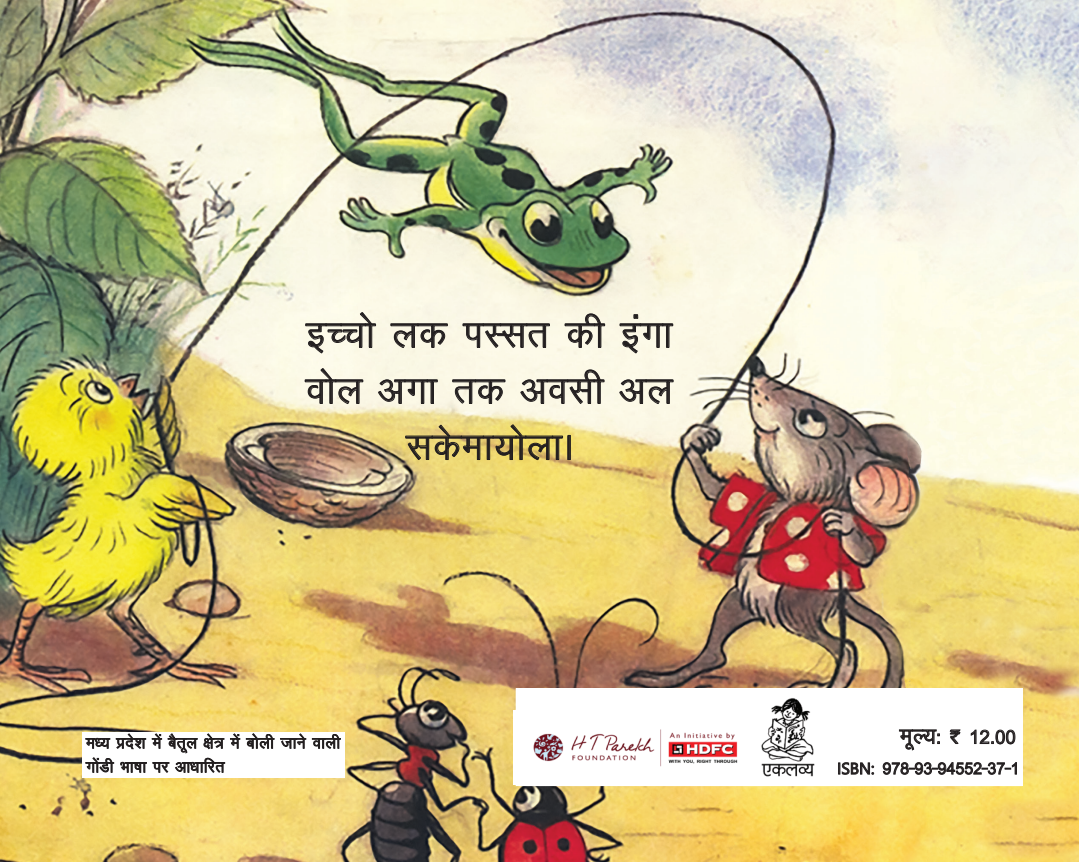
फिर ओर सब काम ते लागसेतुर। ओर डंडा तुन अखरोट ता
छिलका ता रोपा फंसी किसीतुर। उंडे आकी तुन धागा तल
दोच्चितुर। उंदी मिनट ते सुंदर नाव बनेमासिकुन तैयार आसता।



ओर तान येते धक्किसितुर उंडे तान परों तरिसेतुरा
उंडे ताकिलात ओरा नावा

फने ओना तल्लाडून येतल
बहारो टंडतुला ओल
फिरतल कव्वान वाले
मत्तोल की मने नाव तो
लयसोलक पस्सी मंजीता।





इच्चो लक पस्सत की इंगा
वोल अगा तक अवसी अल
सकेमायोला।

मध्य प्रदेश में बैतुल क्षेत्र में बोली जाने वाली
गोंडी भाषा पर आधारित



HT Parekh
FOUNDATION

An Initiative by
HDFC
BANK YOU. RIGHT THROUGH



एकलव्य

मूल्य: ₹ 12.00

ISBN: 978-93-94552-37-1